मेरा भी खाता खोल दे

मेरा भी खाता खोल दे, मां अपने दरबार में ॥
*जब भी मांगू, जो भी मांगू ॥,, मिलता रहे उधार में,
मेरा भी खाता,,, जय हो ॥॥ खोल दे, मां अपने दरबार में ॥

जो कुछ भी, है शर्तें तेरी, "कागज़ पर लिखवा ले मां*" ।
बेशक मुझको, गिरवी रख ले, "मुझसे साईंन करा ले मां" ॥
*तां कि कोई, फर्क ना आए ॥,, मां बेटे के प्यार में,
मेरा भी खाता,,, जय हो ॥॥ खोल दे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

तूँ है साहू,कार मेरी मैं, "और कहीं क्यों जाऊं मां*" ।
तुझसे ही, लेकर के पूंजी, "अपना काम चलाऊं मां" ॥
*तेरे सिवा अब, कौन है मेरा ॥,, आखिर इस संसार में,
मेरा भी खाता,,, जय हो ॥॥ खोल दे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

ना अनुभव है, काम नया है, "डर नुकसान का भारी है*" ।
कुछ तो गुर, सिखला दो मुझको, "चाहिए मदद तुम्हारी है" ॥
*दास / रैंपी सफ़ल, हो जाए तेरा ॥,, अपने कारोबार में,
मेरा भी खाता,,, जय हो ॥॥ खोल दे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27580/title/mera-bhi-khata-khol-de

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |